Need to promote cultivation and production of millets in the country

श्री मितेश पटेल **(**बकाभाई**) (**आनंद**) :** सभापति महोदय, आपका धन्यवाद ।

महोदय, मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए श्रीअन्न नाम देकर भारत सरकार आम लोगों तक इसे पहुंचाने का अभियान चला रही है । इस दौरान सभी मंत्रालयों को इस अभियान से जोड़ते हुए उन्हें इस पूरी मुहिम को और रफ्तार देने के लिए भी कहा गया है । श्रीअन्न के उपयोग को बढ़ावा देना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है । इसके उत्पादन में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना एवं किसानों को इसके लिए आसान बाजार उपलब्ध करना, जिसके लिए माननीय प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रयास जारी है ।

महोदय, मेरी सरकार से विनती है कि श्रीअन्न जो कि गेहूं और धान की अपेक्षा कम पानी, लागत और मेहनत से उपजाया जा सकता है, जिसमें बदलते जलवायु के कारण सूखे में भी उत्पादन की बढ़िया संभावना है, उससे किसान दूर क्यों होता गया, इस बारे में पूरे देश के किसानों के बीच सर्वेक्षण करवाएं । इसके उत्पादन में कठिनाइयां एवं उत्पादन उचित होने पर भी इससे किसानों को बाजार उपलब्ध कराने में पूर्व की सरकारों के नकारात्मक दृष्टिकोण से किसानों की उदासीनता को उत्साह में बदलने हेतु कदम उठाएं, जिससे श्रीअन्न भारत की एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान बन सके ।

माननीय सभापति **:** श्री डी. रविकुमार जी ? उपस्थित नहीं ।

श्रीमती नवनित रवि राणा जी ? उपस्थित नहीं ।

_____

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** अब आइटम नंबर 9 ? अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023

माननीय मंत्री जी, आप बोलिए ।

? (व्यवधान)

14.57 hrs